राहुल जयसिंग बहोत

जन्म- 18 मई1990, नांदगाँव, नासिक-423106 (महा०)

शिक्षा - एम. ए. सेट, नेट (हिन्दी साहित्य)

गतिविधियाँ- 1. सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय (बी. सी.यु.डी.) अंतर्गत 'मिथिलेश्वर की कहानियो में निरूपित ग्राम जीवन' विषय पर एक लघु अनुसंधान परियोजना (2016-18) 2. कतिपय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगोष्टियों में शोधा-लेख वाचन तथा सक्रीय सहभाग, 3. कतिपय राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय हिन्दी पत्रिकाओं में शोधलेख प्रकाशित, 4. स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए हिन्दी प्राध्यापक के रूप में सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय की स्वीकृति।

सम्प्रति- सहायक प्राध्यापक, मराठा विद्या प्रसारक समाज नासिक संचलित, कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, मनमाड, नासिक -423104 (महाराष्ट्र)।

अनुक्रमणिका

♦ मिथिलेश्वर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व ♦ ग्राम्य जीवन : स्वरूप एवं संकल्पना ♦ मिथिलेश्वर की कहानियों में निरूपित ग्राम्य जीवन ♦ मिथिलेश्वर की कहानियों में शिल्प ♦ उपसंहार।

चिन्तन प्रकाशन
3A/119, आवास विकास
हंसपुरम्, कानपुर - 208 021
94501 51379, 72758 97527
chintanprakashan@gmail.com
www.chintanprakashan.com
/ChintanPrakashan

₹000.00

Available at
www.buyhindibook.com
www.chintanprakashan.com

मिथिलेश्वर के कथा साहित्य में ग्राम्य जीवन ★ प्रा. बहोत

मिथिलेश्वर के कथा साहित्य में ग्राम्य जीवन

प्रा. राहुल जयसिंग बहोत

19वीं शती के हिन्दी कथा साहित्य को नया आयाम देने वाले कथाकारों में मिथलेश्वर जी का महत्व पूर्ण स्थान है। उनके रचना संसार में भारतीय ग्राम्य जीवन की विभीषिकाएँ जैसे- गरीबी, भुखमरी, भय, बेरोजगारी, अकाल, रूढ़ि-परम्परा, शोषण, अंधविश्वास, पारिवारिक संघर्ष बदलते सामाजिक मूल्य, मानसिक पिछड़ापन, नारी अस्मिता आदि विषयों का सजीव चित्रण हुआ है। मिथिलेश्वर के कथा साहित्य में ग्रामीण क्षेत्रों की वर्गीय चेतना का संवेदनशील चित्रण दृष्टिगोचर होता है। भारतीय ग्राम समाज का दर्द एवं मानवीय सद्भावना का पुट उनके साहित्य की मुख्य विशेषता है। इसलिए उनकी कहानियों में यथार्थपरक दृष्टि एवं पात्रों की मनोदशा का जीवन्त वर्णन मिलता है। उनकी कहानियाँ पढ़ते हुए आज का ग्रामीण जीवन पूरे यथार्थ के साथ हमारी आँखों के सामने उभरता है। उनके साहित्य के माध्यम से एक सन्तुलित वस्तुनिष्ठ दृष्टि आज के ग्राम्य जीवन के पट खोलती चली जाती है। यह उनके कथा साहित्य की महत्वपूर्ण विशेषता है।

Available at
www.buyhindibook.com
www.chintanprakashan.com